एस. एन. डी. टी. महिला विश्वविद्यालय

नाथीबाई ठाकरसी रोड, मुंबई – 20

बी. ए. हिंदी ऑनर्स पाठ्यक्रम

Programme Template:

Programme Degree		B. A. Honours Degree / B. A. Honours with Research Degree
Parenthesis if any (Specialization)		**हिंदी**
Preamble (Brief Introduction to the programme)		नई शिक्षा नीति - 2020 के तहत प्रस्तावित नीतियाँ और नवोन्मेषी शिक्षा के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम अधिक उपयुक्त साबित होगा. इससे इक्कीसवीं सदी के भारत का भविष्य और भविष्य का भारत बनाने हेतु तथा छात्राओं की जरूरतों की दृष्टि से छात्राओं में कौशल विकास में उर्ध्वगामी बदलाव होंगे. यह विद्यार्थी केन्द्रित पाठ्यक्रम छात्राओं में छुपी निहित अनूठी रचनात्मकता एवं संवेदनशील क्षमताओं को विकसित करता है और उनको किसी भी ज्ञान शाखा के रूचि और रुझान के अनुसार बहुविद्याशाखाओं का ज्ञान अर्जन करने की पूरी स्वतंत्रता और नवचार प्रदान करता है. यह पाठ्यक्रम भारतीय नीति मूल्य आधारित शिक्षा की जड़ों से जुड़कर राष्ट्रप्रेम के साथ जीवनोपयोगी ज्ञान से विश्व और समाज को बदलने की क्षमता रखता है. संक्षेप में प्रत्यक्ष अनुभव, कलात्मकता, सृजनशीलता, तर्कशीलता, भीतरी गुणवत्ता और कौशल से रोजगारपरक शिक्षा को लेकर इस पाठ्यक्रम में अधिक बल दिया गया है.
Programme Specific Outcomes (PSOs)		After completing this programme, Learner will
	1.	छात्राओं में सामाजिकता, सांकृतिक एकता एवं राष्ट्रीयता की भावना समृद्ध होगी ।
	2.	छात्राओं को हिंदी साहित्य एवं भाषा के सभी आयामों का गहन एवं विशद ज्ञान प्राप्त होगा।
	3.	छात्राओं में सम-सामयिक समस्याओं का आकलन और अग्रगामी परिवर्तन की समझ विकसित होगी ।

	4.	छात्राओं की वैचारिक क्षमता, सृजनात्मकता और कल्पनाशीलता को बढावा मिलेगा।
	5.	अभिरुचि के साथ उन्मुख होगी छात्राएँ शोध कार्य की ओर अग्रेषित होगी।
	6.	छात्राएँ रचनात्मक और व्यावसायिक लेखन की ओर अग्रेषित होगी साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार प्राप्ति हेतु सक्षम होगी।।
	7.	छात्राएँ भाषिक कौशल, हिंदी व्याकरण, जीवन मूल्यों भारतीय ज्ञान परंपरा से अवगत होगी।
Eligibility Criteria for Programme	1 2	छात्र किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12 वीं कक्षा या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण हो। छात्र हिंदी लेखन तथा संवाद में कुशल हो।
Intake (For SNDT WU Departments and Conducted Colleges)		एस.एन.डी.टी. विश्वविद्यालय के नियमानुसार

SNDT WOMEN'S UNIVERSITY
Estb:1916

हिंदी अध्ययन मंडल
श्रीमती ना.दा.ठा.महिला विश्वविद्यालय, मुंबई

1. प्रो. चंद्रकांत मिसाळ (अध्यक्ष)
2. डॉ. वंदना शर्मा (सदस्य)
3. डॉ. लक्ष्मण पाटील (सदस्य)
4. डॉ. संतोष कौल (सदस्य)
5. डॉ. रविन्द्र कात्यायन (सदस्य)
6. डॉ. सुनीता मिश्रा (सदस्य)
7. डॉ. अमोल दंडवते (सदस्य)
8. डॉ. रविंद्र खरे (सदस्य)
9. डॉ. अनिसबेग मिर्झा (सदस्य)
10. डॉ. हुकुमचंद जाधव (सदस्य)
11. डॉ. दत्तात्रय मुरुमकर (सदस्य)
12. डॉ. अर्चना गौतम (सदस्य)
13. डॉ. श्यामसुंदर पाण्डेय (सदस्य)
14. डॉ. सतीश पाण्डेय (सदस्य)
15. श्री. संजय भारद्वाज (सदस्य)
16. प्रो. सुरेश कानडे (विशेष आमंत्रित सदस्य)
17. डॉ. शिवदत्ता वावळकर (विशेष आमंत्रित सदस्य)
18. डॉ. मनोज गोयल (विशेष आमंत्रित सदस्य)

SN	Courses	Type of Course	Credits	Marks	Int	Ext
Semester I						
1.1	हिंदी गद्य	Subject 1	2	50	50	00
1.2		Subject 2	2	50	00	50
1.3		Subject 3	2	50	50	00
1.4	फिल्म रसास्वादन	OEC	4	100	50	50
1.5	प्रयोजनमूलक हिंदी	VSC	2	50	50	00
1.6	उदघोषणा और मंच संचालन	SEC	2	50	50	00
1.7		AEC (English)	2	50	00	50
1.8		IKS (Generic)	2	50	00	50
1.9		VEC	2	50	00	50
1.10		**CC**	2	50	50	00
			22	**550**	**300**	**250**
Semester II						
2.1	हिंदी गद्य विविधा	Subject 1	2	50	00	50
2.2		Subject 2	2	50	50	00
2.3		Subject 3	2	50	00	50
2.4		VSC	2	50	50	00
2.5		VSC	2	50	50	00
2.6	भारतीय लोककथाएं	OEC	4	100	50	50
2.7	साक्षात्कार कौशल	SEC	2	50	50	00

SNDT WOMEN'S UNIVERSITY Estb:1916

2.8		AEC(English)	2	50	00	50
2.9		VEC	2	50	00	50
2.10		CC	2	50	00	50
			22	**550**	**250**	**300**

Exit with UG Certificate with 10 extra credits (44 + 10 credits)

1. बाह्य और आंतरिक परीक्षा में न्यूनतम 40% अंक पाना अनिवार्य है।
2. जो छात्रा आंतरिक परीक्षा में फेल होगी, उन्हें बाह्य परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

प्रश्नपत्र का स्वरूप

(50 अंक हेतु)

प्रश्न 1.	प्रश्न अथवा संदर्भ सहित व्याख्या (पाठ्य पुस्तकों के लिए अथवा आलोचनात्मक प्रश्न)	2 में से 1	10 अंक

अथवा

आलोचनात्मक प्रश्न सैद्धांतिक प्रश्नपत्रों के लिए

प्रश्न 2.	दीर्घोत्तरी प्रश्न	**2** में से **1**	20 अंक
प्रश्न 3 .	लघुत्तरी प्रश्न	2 में से 1	10 अंक
प्रश्न 3.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न(कम से कम दो प्रकार के पूछे जाए)	-	10 अंक

1) एक वक्यीय
2) सत्य/ असत्य
3) जोड़े मिलाए
4) सही पर्याय / विकल्प चुनकर उत्तर दीजिये

SNDT WOMEN'S UNIVERSITY Estb:1916

❖ **सूचना - प्रश्नपत्र में प्रत्येक इकाई से समानुपातिक रूप में प्रश्न पूछे जायें.**

नियमित छात्राओं के लिए अंतर्गत मूल्यांकन – 50 अंक हेतु

विश्वविद्यालय अथवा महाविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा सुनिश्चित टेस्ट / ट्युटोरियल / मौखिकी / प्रोजेक्ट / सेमीनार / सिनेमा, नाटक या पुस्तक का परीक्षण / शैक्षिक भ्रमण का प्रतिवेदन / भेंटवार्ता : ग्रंथालय , हिंदी संस्थान आदि / साक्षात्कार : लेखक, कवि, आलोचक, कलाकार आदि / विधा विशेष या लेखक विशेष का विस्तृत परिचय / बैंक, पोस्ट ऑफिस, रेल्वे स्टेशन, आकाशवाणी आदि सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज के जायजे का प्रतिवेदन / अंग्रेजी या प्रादेशिक भाषा से कहानियों , कविताओं या लघु कथाओं का हिंदी में अनुवाद (लगभग **20** से **25** पृष्ठ) / अंतर्वस्तु के अनुरूप संबद्ध अध्यापक के निर्देशानुसार प्रोजेक्ट , Internship, On Job Training आदि.

Major (Core)

Course Title **पाठ्यक्रम शीर्षक**	**हिंदी गद्य**
Course Credits **पाठ्यक्रम श्रेयांक**	**2**
Course Outcomes **पाठ्यक्रम परिणाम**	After going through the course, learners will be able to **पाठ्यक्रम सीखने के उपरांत छात्राएं सक्षम होंगी.**
	1.छात्राएं गद्य की विविध विधाओं से परिचित होंगी.
	2.छात्राएं गद्य की विविध रचनाओं से परिचित होंगी .
	3.विधाओं में चित्रित विविध समस्याओं से अवगत होंगी.
	4.छात्राओं में गद्य की विविध विधाओं के सृजनात्मक साहित्य के प्रति रूचि विकसित होंगी.
	निर्धारित पाठ्यपुस्तक : प्रकीर्ण विविधा – सम्पादक - डॉ. पुनीत बिसारिया, डॉ. श्रीहरी त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, जी-17, जगतपुरी दिल्ली- 110051
Module 1 (Credit 1)	**रेखाचित्र एवं संस्मरण**
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएं सक्षम हुईं :
	1.छात्राएं गद्य की रेखाचित्र विधा से परिचित हुईं .
	2.छात्राएं गद्य की संस्मरण विधा से अवगत हुईं .
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	• रेखाचित्र एवं संस्मरण : सामान्य परिचय • लेखक परिचय तथा पाठ-समीक्षा • 'गिल्लू'- महादेवी वर्मा • 'तीस बरस का साथी'- अमृतलाल नागर
Module 2 (Credit 1)	**हास्य-व्यंग्य और डायरी**
	After learning the module, learners will be able to

Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएं सक्षम हुईं.
	1.छात्राएं हास्य व्यंग्य और डायरी विधाओं से परिचित हुईं.
	2.छात्राओं में पाठ समीक्षा की समझ पैदा हुईं.
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	• हास्य-व्यंग्य और डायरी: सामान्य परिचय • लेखक परिचय तथा पाठ-समीक्षा • एकलव्य ने गुरु को अँगुठा दिखाया – हरिशंकर परसाई • प्रवास की डायरी: कुछ विशिष्ट पन्ने- हरिवंशराय बच्चन

Assignments/Activities towards Comprehensive Continuous Evaluation (CCE)

निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार : विश्वविद्यालय हिंदी विभाग अथवा महाविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा सुनिश्चित टेस्ट, ट्युटोरियल या मौखिकी/ प्रोजेक्ट/ सेमिनार/ सिनेमा/नाटक या पुस्तक परीक्षण/ शैक्षिक भ्रमण का प्रतिवेदन/ भेट वार्ता/ ग्रंथालय, हिंदी संस्थान से भेट/ साक्षत्कार : लेखक, कवि, आलोचक, कलाकार आदि/ विधा विशेष या लेखक विशेष का विस्तृत परिचय/ बैंक, पोस्ट ऑफिस, रेल्वे स्टेशन कार्यालय, आकाशवाणी आदि सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज के जायजे का प्रतिवेदन/ अंग्रेजी या प्रादेशिक भाषा से किसी कहानी, या लघु कथाओं का हिंदी में अनुवाद (लगभग 15 से बीस पृष्ठ में अनुवाद) अंतर्वस्तु के अनुरूप संबध्द अध्यापक के निर्देशानुसार न्यूनतम 15 से 20 घंटे प्रशिक्षण वृत्ति (Internship/ Apprenticeship/ on Job Traning/ Project) आदि.

संदर्भ ग्रंथ –

1. महादेवी साहित्य का अभिनव मूल्यांकन - असीम मधुपूरी, कमल आर्ट्स प्रेस, ४६ बी, गुनई रोड, अमीनाबाद, लखनऊ
2. आधुनिक हिंदी व्यंग्य निबन्धों में सांस्कृतिक, सामजिक तथा राजनितिक चेतना – डॉ.बलिराम राख, चन्द्रलोक प्रकाशन, 132 शिवराम कृपा, मयूर पार्क, बसंत विहार, नौबस्ता कानपुर -21
3. महादेवी – डॉ.परमानंद श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद- 01
4. महादेवी का गद्य – सूर्यप्रसाद दीक्षित, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, २/३५ अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली – 02
5. महादेवी वर्मा के गद्य साहित्य में चेतना एवं समवेदनाएं – डॉ. माधुरी शुक्ला, चिन्तन प्रकाशन, 3 ए/ 119, आवास विकास हंसपुरम, कानपुर – 208021
6. हिंदी के सामाजिक निबन्धों की आधुनिक प्रवृत्तियाँ – महेंद्र कुमार मिश्रा, अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस, 4837/24, प्रल्हाद गली, अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली – 110002
7. हिंदी का आत्मकथा साहित्य – डॉ. प्रतिभा येरेकार, डॉ प्रकाश शिंदे, विकास प्रकाशन, 311 सी, विश्वबैंक, बर्रा, कानपूर- 208027

8. आधुनिक निबन्ध का विकास और आ.रामचन्द्र शुक्ल – जयेश एल.व्यास, पैराडाइज पब्लिशर्स, ई-479, वैशाली नगर, जयपुर
9. हिंदी निबन्ध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ.बाबुराम, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली – 110002
10. हिन्दी व्यंग्य साहित्य और हरिशंकर परसाई – मदालसा व्यास, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, 2713, कूचा चेलान, दरिया गंज, नई दिल्ली – 110002
11. हरिशंकर परसाई और उनका साहित्य – डॉ. अर्चना सिंह, हिंदी बुक सेंटर, 4/5 बी, असफअली रोड, नई दिल्ली – 110002.

OEC

Course Title **पाठ्यक्रम शीर्षक**	**फिल्म रसास्वादन**
Course Credits **पाठ्यक्रम श्रेयांक**	**4**
Course Outcomes **पाठ्यक्रम परिणाम**	After going through the course, learners will be able to पाठ्यक्रम सीखने के उपरांत छात्राएं सक्षम होंगी.
	1.छात्राएं हिंदी फिल्म निर्माण प्रक्रिया के विविध पहलुओं से परिचित होंगी.
	2.छात्राएं फिल्मों में प्रयुक्त हिंदी भाषा के स्वरूप से परिचित होंगी.
	3.छात्राएं फिल्मों के सामाजिक, सांस्कृतिक प्रदेय से अवगत होंगी.
	4.छात्राओं में फिल्मों के रसास्वादन के नई दृष्टि विकसित होंगी.
	निर्धारित फिल्मे: 1. तीसरी कसम- बासु भट्टाचार्य, **2. नदिया के पार- गोविंद मुनिस ,** **3. लज्जा – राजकुमार संतोषी** **4. दामुल – प्रकाश झा**
● **Module 1 (Credit 1)**	**तीसरी कसम- निर्देशक -बासु भट्टाचार्य**
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएं सक्षम हुई :
	1.छात्राओं में फ़िल्में देखने का वैचारिक दृष्टिकोण विकसित हुआ.
	2.छात्राएं फिल्म रसास्वादन के विभिन्न पहलुओं से अवगत हुईं .
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	● फिल्म निर्माण प्रक्रिया के विविध पहलु ● तीसरी कसम- निर्देशक -बासु भट्टाचार्य ● रसास्वादन के आधार बिंदु : निर्देशकीय दृष्टि,कथा, समस्या, पात्र योजना, गीत संगीत, संवाद, उद्देश्य, संदेश, प्रभाव

● **Module 2 (Credit 1)**	**दामुल - निर्देशक -प्रकाश झा**
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएं सक्षम हुईं.
	1.छात्राएं निर्देशकीय दृष्टिकोण से परिचित हुईं.
	2.छात्राएं फिल्म रसास्वादन के विभिन्न पहलुओं से अवगत हुईं.
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	● दामुल - निर्देशक -प्रकाश झा ● रसास्वादन के आधार बिंदु: निर्देशकीय दृष्टि, कथा, समस्या, पात्र योजना, गीत संगीत, संवाद, उद्देश्य, संदेश, प्रभाव
Module 3 (Credit 1)	**नदिया के पार - निर्देशक -गोविंद मुनिस**
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएं सक्षम हुईं :
	1.छात्राओं में फ़िल्में देखने का वैचारिक दृष्टिकोण विकसित हुआ.
	2.छात्राएं फिल्म रसास्वादन के विभिन्न पहलुओं से अवगत हुईं .
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	● नदिया के पार - निर्देशक -गोविंद मुनिस ● रसास्वादन के आधार बिंदु : निर्देशकीय दृष्टि, कथा, समस्या, पात्र योजना, गीत-गीतकार, संगीत, संवाद, उद्देश्य, संदेश, प्रभाव
Module 4 (Credit 1)	**लज्जा - निर्देशक -राजकुमार संतोषी**
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएं सक्षम हुईं.
	1.छात्राओं में फ़िल्में देखने का वैचारिक दृष्टिकोण की समझ विकसित हुईं.
	2.छात्राएं फिल्म रसास्वादन के विभिन्न पहलुओं से अवगत हुईं.
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	● लज्जा - निर्देशक -राजकुमार संतोषी ● रसास्वादन के आधार बिंदु: निर्देशकीय दृष्टि, कथा, समस्या, ● पात्र योजना, गीत-गीतकार, संगीत, संवाद, उद्देश्य, संदेश, प्रभाव

Assignments/Activities towards Comprehensive Continuous Evaluation (CCE)

निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार : विश्वविद्यालय हिंदी विभाग अथवा महाविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा सुनिश्चित टेस्ट, ट्युटोरियल या मौखिकी/ प्रोजेक्ट/ सेमिनार/ सिनेमा/नाटक या पुस्तक परीक्षण/ शैक्षिक भ्रमण का प्रतिवेदन/ भेट वार्ता/ ग्रंथालय, हिंदी संस्थान से भेट/ साक्षत्कार : लेखक, कवि, आलोचक, कलाकार आदि/ विधा विशेष या लेखक विशेष का विस्तृत परिचय/ बैंक, पोस्ट ऑफिस, रेल्वे स्टेशन कार्यालय, आकाशवाणी आदि सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज के जायजे का प्रतिवेदन/ अंग्रेजी या प्रादेशिक भाषा से किसी कहानी, या लघु कथाओं का हिंदी में अनुवाद (लगभग 15 से बीस पृष्ठ में अनुवाद) अंतर्वस्तु के अनुरूप संबध्द अध्यापक के निर्देशानुसार न्यूनतम 15 से 20 घंटे प्रशिक्षण वृत्ति (Internship/ Apprenticeship/ on Job Traning/ Project) आदि.

संदर्भ ग्रंथ –

1. हिंदी सिनेमा और दाम्पत्य संबंध – डॉ. चंद्रकांत मिसाल, हिंदी साहित्य निकेतन, 16 सहित्य विहार, बिजनौर, उ.प्र. 246701
2. हिंदी सिनेमा में चित्रित पत्नी उत्पीड़न - डॉ. चंद्रकांत मिसाल, ओम व्हिजन अकेडमी, शॉप नं. 11, 985, भूपती कॉम्पलेक्स, ज्ञान प्रबोधिनी स्कूल के सामने, सदाशिव पेठे, पुणे - 30
3. सिनेमा और साहित्य का अंत: संबंध – डॉ. चंद्रकांत मिसाल, हिंदी साहित्य निकेतन, साहित्य विहार, बिजनोर (उ.प्र.), 24670
4. सामाजिक मूल्यनिर्धारण में सिनेमा का योगदान – डॉ. चंद्रकांत मिसाल, जगत भारती प्रकाशन, दूरवाणी नगर, इलाहाबाद
5. साहित्य और सिनेमा रूपांतरण- विवेकानंद, विकास प्रकशन 311सी, विश्व बैंक बर्रा, कानपुर 208027.
6. समिचन-संपादक -डॉ. देवेश ठाकुर,डॉ.सतीश पाण्डेय स्वामी मुद्रक प्रकाशक-देवेश ठाकुर ने प्रिंटोग्राफी सिस्टम,घाटकोपर,मुंबई.
7. नारी अस्मिता और भारतीय हिंदी सिनेमा- डॉ मुदिता चंद्रा/डॉ जूही समर्पिता, भावना प्रकाशन109-ए, पटपड़गंज, दिल्ली 110091.
8. सिनेमा में नारी- शमीम खान, ग्रंथ आकादमी,1659 पुराना दरियागंज नई, दिल्ली, 110002.
9. समाज, संचार एवं सिनेमा- डॉ विशाला शर्मा, समागम प्रकशन, अंकुर कॉलनी, शिवाजी नगर, भोपाल,462016.
10. हिंदी सिनेमा बिंब प्रतिबिंब-महेंद्र प्रजापति, शिल्पयान पब्लिशर्स,10295, लेन01, वेस्ट, गोरख पार्क शाहादरा, दिल्ली110032
11. टेलीफिल्म: निर्माण-कला (पटकथा लेखन, फिल्मांकनएवं निर्देशन) – विवेकानंद, सामायिक प्रकाशन,3320-21 जट्वाड़ा, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज नई दिल्ली110002
12. भारतीय सिनेमा और नारी- डॉ दयानंद गौतम / डॉ कामना महिन्दु नवभारत प्रकाशन, डी 626 गली 1 अशोक नगर, शाहदरा दिल्ली 110093.
13. साहित्य संगीत और मिडिया- अश्विनीकुमार नैशनल पब्लिशिंग हाउस,235अंसारी रोड, दरियागंज नई दिल्ली,110002

14. हिंदी सिनेमा की यात्रा- पंकज शर्मा, अनन्य प्रकाशन ई-17पंचशील गार्डन, नविन शाहदरा दिल्ली
15. भारतीय सिनेमा में भारतीय संस्कृति- डॉ उषा कुमारी के.पी. अमन प्रकाशन 104 ए 80 सी. रामबाग, कानपूर
16. फिल्मक्षेत्रे रंगक्षेत्रे अमृतलाल नागर- डॉ शरद नागर, वाणी प्रकाशन 469521ए, दरियागंज नई दिल्ली110002
17. समकालीन हिंदी सिनेमा- डॉ सी. भास्कर राव, कल्पना प्रकाशन1770, जहाँगीर पूरी दिल्ली 110033
18. सिनेमा वक्त के आयने में- राजेन्द्र सहगल, संजय प्रकाशन 4378-4 बी.अंसारी रोड, दरियागंज नई दिल्ली
19. हिंदी चित्रपट का गीति साहित्य- डॉ ओंकार प्रसाद माहेश्वरी, प्रकाशक विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
20. चित्रपटाचे सौदर्य शास्त्र- प्रा. सतीश बाहदुर अनुवाद सुषमा दातार,प्रकाश विश्वासराव,लोकवाड्मय गृह भूपेश गुप्ता भुवन,सयानी रोड, मुंबई 400025
21. भारतीय हिंदी सिनेमा की विकास यात्रा एक मूल्यंकन- डॉ देवेन्द्र नाथ सिंह/डॉ वीरेंद्र सिंह यादव, पैसिफिक पब्लिकेशन, एन-187, शिवाजी चौक, सादतपुर, एक्सेंटेशन, दिल्ली-110094
22. साहित्य और सिनेमा – डॉ जालिंदर इंगले, गौरव बुक्स-132 मयूर पार्क, बसंत विहार कानपुर 208021
23. हिंदी में रोजगार की संभावनाएं- डॉ शाहबुद्दीन शेख, नवभारत प्रकाशन डी.626 गली 1 अशोक नगर शाहदरा दिल्ली 110094
24. लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ - जवरीमल पारख, अनामिका, 4897/3 - ए,अंसारी रोड, नई दिल्ली – 2
25. सृजन समय -संपादक -आशीष कुमार/नितप्रिया प्रलय, वर्धा प्रकाशन अंक जनवरी/जून 2017
26. सिनेमा के बारे में - जावेद अख़्तर से मुन्नी कबीर की बातचीत, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि., 1 बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली – 110002
27. इंडियन पॉप्युलर सिनेमा – क.मोती गोकुलसिंग, 3–6-272, हिमायत नगर, हैदराबाद – 29
28. सिनेमा के सौ वर्ष – सं. मृत्युंजय, शिल्पायन, 10295 – लेन - 1, वेस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली – 32
29. सिनेमा और संस्कृति – राही मासूम रज़ा, वाणी प्रकाशन, 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली – 02
30. सिनेमा: कल, आज, कल – विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली –02
31. फिल्में कैसे बनती हैं – हरमल सिंह
32. सिनेमा, समकालीन सिनेमा – अजय ब्रह्मात्मज, वाणी प्रकाशन, 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली
33. सिनेमा की सोच – अजय ब्रह्मात्मज, वाणी प्रकाशन, 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002
34. हिंदी सिनेमा का सच – सं. शम्भुनाथ, वाणी प्रकाशन, 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002

35. हिंदी सिनेमा के100 वर्ष – दिलचस्प, सामयिक प्रकाशन, 3320-21, एनं.एस. मार्ग, दरियागंज,नई दिल्ली – 02
36. सिनेमा की संवेदना - विजय अग्रवाल, प्रभात प्रकाशन, 4/19, आसफ अली रोड, नई दिल्ली – 02
37. हिंदी साहित्य और सिनेमा - विवेक दुबे, अमन प्रकाशन, 104 ए/118, राम बाग, कानपुर – 12
38. मीडिया और साहित्य - डॉ. महेन्द्र, अनंग प्रकाशन, बी– 1/107, उत्तरी घोडा, दिल्ली – 02
39. सिनेमा और साहित्य - हरीश कुमार, संजय प्रकाशन, ए– 2/703, प्रगति विहार, सोम बाज़ार, नई दिल्ली – 53
40. सिनेमा और समाज - विजय अग्रवाल, सत्साहित्य प्रकाशन, 205 बी, चावडी बाज़ार, दिल्ली – 6
41. समय और सिनेमा - विनोद भारद्वाज, प्रवीण प्रकाशन, 1/1089- ई, महरौली, नई दिल्ली – 30
42. आज का सिनेमा - विजय अग्रवाल, नीलकण्ठ प्रकाशन, 1/1079 - ई, महरौली, नई दिल्ली – 30
43. सिनेमा नया सिनेमा - ब्रजेश्वर मदान, पुस्तकायन, 2/4240 - ए, अंसारी रोड, नई दिल्ली – 2
44. हिंदी सिनेमा का सच – सं. मृत्युंजय, समकालीन सृजन, 20 - बालमुकुंद मक्कर रोड, कलकत्ता-7
45. वसुधा–81-हिंदी सिनेमा विशेषांक – सं. प्रह्लाद अग्रवाल,एम-31,निराला नगर,दुष्यंत मार्ग, भोपाल– 3
46. मीडिया लेखन एवं फिल्म विमर्श – रवींद्र कात्यायन, साहित्य संस्थान, गाजियाबाद – 201102
47. फिल्में कैसे बनती हैं – हरमल सिंह- राजस्थान पत्रिका – जयपुर, - 1996
48. फिल्म कैसे बनती है - ख़्वाज़ा अहमद अब्बास,नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, 2/35, अंसारी रोड, दरियागंज , नई दिल्ली – 110002
49. हिन्दी सिनेमा : बीसवीं से 21वीं सदी तक- वसुधा-अंक-81- सं- प्रह्लाद अग्रवाल- एम.-51, निराला नगर, भोपाल- 462002
50. हिन्दी सिनेमा का इतिहास – मनमोहन चड्ढा,सचिन प्रकाशन,नयी दिल्ली- 1990
51. फिल्मों में प्रवेश कैसे करें – दिनेश,रंगभूमि प्रकाशन , दिल्ली
52. लमही – त्रैमासिक पत्रिका – सम्पा.- विजय राय , फिल्म विशेषांक – जुलाई-सित. 2010
53. समकालीन परिदृश्य- सिनेमा विशेषांक- सं.- महेन्द्र प्रजापति- नयी दिल्ली- 2012-13
54. हंस- मासिक पत्रिका – संम्पादक- राजेन्द्र यादव- फिल्म विशेषांक- फरवरी- 2013
55. सिनेमा और संस्कृति - राही मासूम रजा,राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.,बी.1, नेताजी सुभाष मार्ग , नई दिल्ली - 110002
56. सिनेमा और समाज – विजय अग्रवाल- सत्साहित्य प्रकाशन, दिल्ली - 1995
57. लोकप्रिय सिनेमा और सामाजिक यथार्थ- जवरीमल परिख , अनामिका पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लि., 4697 / 3, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली – 02
58. आधुनिक हिन्दी सिनेमा का सामाजिक-राजनीतिक अध्ययन- रामावतार अग्निहोत्री- कॉमनवेल्थ प्रका., नयी दिल्ली- 1990

59. सिनेमा के सौ वर्ष- सं. - मृत्युंजय , शिल्पायन प्रकाशन , 10295, लेन नं. 1, वैस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली

60. साहित्य और सिनेमा: बदलते परिदृश्य में सम्भावनाएँ और चुनौतियाँ – डॉ. शैलजा भारद्वाज, चिंतन प्रकाशन

61. फिल्म और फिल्मकार - सी. भास्कर राव - कनिष्का पब्लिकेशन, दिल्ली

62. बाज़ार के बीमार: 21वीं सदी के निर्देशक- प्रह्लाद अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.,बी., नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली - 110002

63. हिन्दी सिनेमा के सौ वर्ष - सामयिक प्रकाशन, 3320 – 21, जटवारा, एन. एस. मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002

64. सिनेमा कल आज कल - विनोद भारद्वाज, वाणी प्रकाशन, 4695, 21-ए, दरियागंज, नई दिल्ली– 110002

65. सिनेमा के विविध संदर्भ – डॉ. सुरभि विप्लव प्रकाशक -अनुज्ञा बुक्स, 1/10206, लेन 1E, वेस्ट गोरख पार्क शाहदरा दिल्ली

VSC

Course Title **पाठ्यक्रम शीर्षक**	**प्रयोजनमूलक हिंदी**
Course Credits **पाठ्यक्रम श्रेयांक**	**2**
Course Outcomes **पाठ्यक्रम परिणाम**	After going through the course, learners will be able to पाठ्यक्रम सीखने के उपरांत छात्राएं सक्षम होंगी.
	1.छात्राएं प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा से अवगत होंगी.
	2.छात्राएं प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध व्यवहार क्षेत्रों से परिचित होंगी.
	3.छात्राएं प्रयोजनमूलक हिंदी में रोजगार के अवसरों से अवगत होंगी.
Module 1 (Credit 1)	**प्रयोजनमूलक हिंदी**
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएं सक्षम हुईं
	1.छात्राएं प्रयोजनमूलक हिंदी के अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप से परिचित हुईं.
	2.छात्राएं प्रयोजनमूलक हिंदी की आवश्कता, महत्व और उसके व्यवहारिक क्षेत्र से अवगत हुईं.
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	• प्रयोजनमूलक हिंदी: अर्थ, परिभाषा और स्वरुप • प्रयोजनमूलक हिंदी की आवश्यकता और महत्व • प्रयोजनमूलक हिंदी: व्यवहार-क्षेत्र
Module 2 (Credit 1)	**प्रयोजनमूलक हिंदी: रोजगार**
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएं सक्षम हुईं.
	1.छात्राओं में टिप्पण, आलेखन, भाव पल्लवन और संक्षेपण प्रक्रिया की प्रत्यक्ष समझ पैदा हुईं.

	2.छात्राएं प्रयोजनमूलक हिंदी में रोजगार की सम्भावनाओं से अवगत हुईं.
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	• टिप्पण, आलेखन • भाव पल्लवन और संक्षेपण • प्रयोजनमूलक हिंदी में रोजगार की संभावनाएं

Assignments / Activities towards Comprehensive Continuous Evaluation (CCE)

निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार : विश्वविद्यालय हिंदी विभाग अथवा महाविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा सुनिश्चित टेस्ट, ट्युटोरियल या मौखिकी/ प्रोजेक्ट/ सेमिनार/ सिनेमा/नाटक या पुस्तक परीक्षण/ शैक्षिक भ्रमण का प्रतिवेदन/ भेट वार्ता/ ग्रंथालय, हिंदी संस्थान से भेट/ साक्षत्कार : लेखक, कवि, आलोचक, कलाकार आदि/ विधा विशेष या लेखक विशेष का विस्तृत परिचय/ बैंक, पोस्ट ऑफिस, रेल्वे स्टेशन कार्यालय, आकाशवाणी आदि सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज के जायजे का प्रतिवेदन/ अंग्रेजी या प्रादेशिक भाषा से किसी कहानी, या लघु कथाओं का हिंदी में अनुवाद (लगभग 15 से बीस पृष्ठ में अनुवाद) अंतर्वस्तु के अनुरूप संबध्द अध्यापक के निर्देशानुसार न्यूनतम 15 से 20 घंटे प्रशिक्षण वृत्ति (Internship/ Apprenticeship/ on Job Traning/ Project) आदि.

संदर्भ ग्रंथ –

1. हिन्दी भाषा - भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
2. हिन्दी शब्द सम्पदा – विद्यानिवास मिश्र
3. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा – डॉ.सुधाकर कलावडे,साहित्य रत्नालय,37/50, गिलिस बाज़ार, कानपुर – 01
4. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा की भूमिका – डॉ. त्रिलोचन पाण्डेय
5. शब्दों का जीवन - भोलानाथ तिवारी,राजकमल प्रकाशन प्रा.लि., 1 बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली – 110002
6. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. कमल कुमार बोस, बी.के.तनेजा क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, 28 शॉपिंग सेंटर, करमपुरा, नई दिल्ली – 15
7. प्रयोजनमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम – डॉ. अम्बादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, 57 पी.,कुंज विहार II, यशोदा नगर, कानपुर – 11
8. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध स्वरूप – डॉ.विजय कुलश्रेष्ठ एवं डॉ. बीना रुस्तगी, नमन प्रकाशन, 4231/1, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002
9. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली – 02
10. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग – डॉ.दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, 21ए, दरियागंज,नई दिल्ली – 110002
11. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य – डॉ.रमेशचंद्र त्रिपाठी एवं डॉ. पवन अग्रवाल, अलका प्रकाशन,128/106, जी.ब्लॉक, किदवई नगर, कानपुर – 11

12. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी – डॉ. ओमप्रकाश सिंहल, जगतराम एण्ड सन्ज़,IX /221, सरस्वती भण्डार, गांधी नगर, दिल्ली – 110031
13. अनुवादर -कला– भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार प्रकाशन, 159, गुरू अंगद नगर (वैस्ट), दिल्ली – 110092
14. अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ – डॉ. भोलानाथ तिवारी एवं डॉ. ओमप्रकाश गाबा, शब्दाकार, 2203, गली डकौतान, तुर्कमान गेट, दिल्ली – 110006
15. अनुवाद चिंतन – डॉ. अर्जुन चव्हाण,अमन प्रकाशन,104 ए/118, राम बाग, कानपुर – 208012
16. अनुवाद : समस्याएँ एवं समाधान – डॉ. अर्जुन चव्हाण,अमन प्रकाशन, 104 ए/118, राम बाग, कानपुर – 12
17. मीडिया कालीन हिंदी : स्वरूप एवं संभावनाएँ – डॉ. अर्जुन चव्हाण, राधाकृष्ण प्रकाशन, 7/23, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002
18. प्रयोजनमूलक हिंदी व्याकरण – डॉ. द्विजराम यादव, साहित्य रत्नाकर, 104 ए/118, रामबाग, कानपुर – 12
19. प्रयोजनमूलक हिंदी : संरचना और प्रयोग – डॉ. माधव सोनटक्के, छाया पब्लिशिंग हाऊस, 'सरस्वती छाया'20, न्यू समर्थ नगर, निराला बाजार, औरंगाबाद – 431001
20. व्यावहारिक हिन्दी – डॉ. लक्ष्मीकान्त पाण्डेय,साहित्य रत्नालय,37/50, गिलिस बाज़ार,कानपुर – 01
21. सामयिक प्रशासनिक कोश (अंग्रेजी-हिंदी तथा हिंदी-अंग्रेजी) – गोपीनाथ श्रीवास्तव,सामयिक प्रकाशन 3320-21, जटवारा, एन.एस.मार्ग, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002
22. आधुनिक विज्ञापन – प्रेमचन्द्र पातंजली, वाणी प्रकाशन, 21 ए, दरियागंज, नई दिल्ली – 02
23. प्रयोजनमूलक हिंदी : अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख , शैलजा प्रकाशन , 57 पी. , कुंज विहार , यशोदा नगर , कानपुर – 11 संस्करण 2006
24. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. कमलकुमार बोस , क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी , 28 , शॉपिंग सेंटर , करमपुरा , नई दिल्ली . संस्करण 2000
25. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झाल्टे , वाणी प्रकाशन , 4695 ,21-ए, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002 संस्करण 1996
26. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. पुरुषोत्तम वाजपेयी , चंद्रलोक प्रकाशन , 132, शिवराम कृपा , मयूर पार्क , वसंत विहार , नौबस्ता , कानपुर – 21
27. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध स्वरूप - डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ तथा डॉ. बीना रुस्तगी , नमन प्रकाशन , 4231 / 1 , अंसारी रोड , दरियागंज , नई दिल्ली – 110002 संस्करण 2009
28. प्रयोजनमूलक हिंदी : संरचना और प्रयोग - डॉ. माधव सोनटक्के , छाया पब्लिशिंग हाऊस , 'सरस्वती छाया', 20, न्यू समर्थ नगर, निराला बाजार, औरंगाबाद - 431004 संस्करण 1999
29. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. विनोद गोदरे , वाणी प्रकाशन , 4695 , 21 - ए , दरियागंज , नई दिल्ली – 110002 संस्करण 1991
30. हिंदी भाषा : कल और आज - डॉ. पूरनचंद टंडन , किताबघर प्रकाशन , 4855 – 56 / 24 , अंसारी रोड , दरियागंज , नई दिल्ली – 110002 संस्करण 2007

31. प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य - डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी , अलका प्रकाशन , 128 / 106 , जी. ब्लॉक , किदवई नगर , कानपुर – 11 संस्करण 1998

32. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी - डॉ. ओमप्रकाश सिंहल , जगतराम एन्ड सन्स , 9/221 , सरस्वती भंडार , गांधी नगर , दिल्ली - 110031 संस्करण 1996

33. हिंदी व्याकरण एवं रचना - कृ. ज. वेदपाठक, चिंतन प्रकाशन, नौबस्ता, कानपुर संस्करण1990

34. प्रशासनिक हिंदी : टिप्पण , प्रारूपण - डॉ. हरिमोहन , तक्षशिला प्रकाशन , 23 / 4761 , अंसारी रोड , दरियागंज , नई दिल्ली – 11000

SEC

Course Title **पाठ्यक्रम शीर्षक**	**उदघोषणा और मंच संचालन**
Course Credits **पाठ्यक्रम श्रेयांक**	**2**
Course Outcomes **पाठ्यक्रम परिणाम**	After going through the course, learners will be able to पाठ्यक्रम सीखने के उपरांत छात्राएं सक्षम होंगी ।
	1.छात्राएं उदघोषणा कला से परीचित होंगी.
	2.छात्राएं उदघोषणा एवं मंच संचालन कौशल में सक्षम होंगी.
	3.छात्राओं को उदघोषक के रूप में रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे .
Module 1 (Credit 1)	**उदघोषणा एवं मंच संचालन**
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएं सक्षम हुईं.
	1.छात्राएं उदघोषणा और मंच संचालन कला के स्वरुप से अवगत हुईं.
	2.छात्राएं उदघोषणा एवं मंच संचालन की आवश्यकता, महत्व और मंच संचालक के गुणों से परिचित हुईं.
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	● उदघोषणा एवं मंच संचालन कला का स्वरुप ● उदघोषणा एवं मंच संचालन कला की आवश्यकता और महत्व ● उदघोषक एवं मंच संचालक के गुण
Module 2 (Credit 1)	**एफ. एम्. और रेडिओ**
Learning Outcomes	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएं सक्षम हुईं.
	1.छात्राएं उदघोषणा एवं मंच संचालन के प्रकारों से अवगत हुईं.

पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	2.छात्राएं रेडिओ के उदघोषणा एवं कलात्मक भाषा से परिचित हुई.
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	• उदघोषणा एवं मंच संचालन के प्रकार • एफ. एम्. और रेडिओ में उदघोषणा कला • उदघोषक की भाषा-शैली

Assignments / Activities towards Comprehensive Continuous Evaluation (CCE)

निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार : विश्वविद्यालय हिंदी विभाग अथवा महाविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा सुनिश्चित टेस्ट, ट्युटोरियल या मौखिकी/ प्रोजेक्ट/ सेमिनार/ सिनेमा/नाटक या पुस्तक परीक्षण/ शैक्षिक भ्रमण का प्रतिवेदन/ भेट वार्ता/ ग्रंथालय, हिंदी संस्थान से भेट/ साक्षत्कार : लेखक, कवि, आलोचक, कलाकार आदि/ विधा विशेष या लेखक विशेष का विस्तृत परिचय/ बैंक, पोस्ट ऑफिस, रेल्वे स्टेशन कार्यालय, आकाशवाणी आदि सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज के जायजे का प्रतिवेदन/ अंग्रेजी या प्रादेशिक भाषा से किसी कहानी, या लघु कथाओं का हिंदी में अनुवाद (लगभग 15 से बीस पृष्ठ में अनुवाद) अंतर्वस्तु के अनुरूप संबध्द अध्यापक के निर्देशानुसार न्यूनतम 15 से 20 घंटे प्रशिक्षण वृत्ति (Internship/ Apprenticeship/ on Job Traning/ Project) आदि.

संदर्भ ग्रंथ –

1. मंच संचालन एक कला – सुनील बाजपैयी, उत्कर्ष प्रकाशन
2. सफल मंच संचालन कैसे करें? – अरुण सागर आनंद, कादंबरी प्रकाशन
3. एंकरिंग का सुपरस्टार – अमित जैन 'मौलिक' मंच संचालन पर ई बुक
4. संचालन कैसे करें? – इकराम राजस्थानी, साहित्यागार ई बुक (ई पुस्तकालय)
5. उद्घोषणा कला - डॉ. शीला मिश्र, संजय प्रकाशन, 4378 / 4 बी., 209, जे.एम.डी. हाऊस, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली – 110002 प्रथम संस्करण 2010

Semester-II

Major (Core)

Course Title **पाठ्यक्रम शीर्षक**	**हिंदी गद्य विविधा**
Course Credits **पाठ्यक्रम श्रेयांक**	**2**
Course Outcomes **पाठ्यक्रम परिणाम**	After going through the course, learners will be able to **पाठ्यक्रम सीखने के उपरांत छात्राएं सक्षम होंगी.**
	1.छात्राएं गद्य की विविध विधाओं से परिचित होंगी.
	2.छात्राएं गद्य की विविध रचनाओं से परिचित होंगी .
	3.विधाओं में चित्रित विविध समस्याओं से अवगत होंगी.
	4.छात्राओं में गद्य की विविध विधाओं के सृजनात्मक साहित्य के प्रति रूचि विकसित होंगी.
	निर्धारित पाठ्यपुस्तक : प्रकीर्ण विविधा – सम्पादक - डॉ.पुनीत बिसारिया, डॉ.श्रीहरी त्रिपाठी , राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, जी-17, जगतपुरी दिल्ली- 110051
Module 1 (Credit 1)	**यात्रा वृत्तान्त और जीवनी**
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएं सक्षम हुईं
	1. छात्राएं यात्रा वृतांत और जीवनी विधा से परिचित हुईं.
	2. छात्राएं लेखक का परिचय और उनकी रचना धर्मियता से अवगत हुईं.
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	• यात्रा वृत्तान्त और जीवनी: सामान्य परिचय • लेखक परिचय तथा पाठ-समीक्षा • शान्तिनिकेतन में-राहुल सांकृत्यायन • प्रेमचन्द: लमही में जन्म एवं अंतिम बिमारी- अमृतराय

Module 2 (Credit 1)	**पत्र साहित्य और ललित लेखन**
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएं सक्षम हुईं:
	1.छात्राएं पत्र साहित्य और ललित लेखन से अवगत हुईं.
	2.छात्राएं लेखक का परिचय तथा उनकी रचनाधर्मिता से परिचित हुईं.
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	• पत्र साहित्य और ललित लेखन: सामान्य परिचय • लेखक परिचय तथा पाठ-समीक्षा • पद्मसिंह शर्मा के पत्र - संपा. बनारसीदास चतुर्वेदी • हाशिए पर कुछ नोट्स – गजानन माधव मुक्तिबोध

निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार : विश्वविद्यालय हिंदी विभाग अथवा महाविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा सुनिश्चित टेस्ट, ट्युटोरियल या मौखिकी/ प्रोजेक्ट/ सेमिनार/ सिनेमा/नाटक या पुस्तक परीक्षण/ शैक्षिक भ्रमण का प्रतिवेदन/ भेट वार्ता/ ग्रंथालय, हिंदी संस्थान से भेट/ साक्षत्कार : लेखक, कवि, आलोचक, कलाकार आदि/ विधा विशेष या लेखक विशेष का विस्तृत परिचय/ बैंक, पोस्ट ऑफिस, रेल्वे स्टेशन कार्यालय, आकाशवाणी आदि सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज के जायजे का प्रतिवेदन/ अंग्रेजी या प्रादेशिक भाषा से किसी कहानी, या लघु कथाओं का हिंदी में अनुवाद (लगभग 15 से बीस पृष्ठ में अनुवाद) अंतर्वस्तु के अनुरूप संबध्द अध्यापक के निर्देशानुसार न्यूनतम 15 से 20 घंटे प्रशिक्षण वृत्ति (Internship/ Apprenticeship/ on Job Traning/ Project) आदि.

संदर्भ ग्रंथ –

1.संस्मरण और संस्मरणकार – डॉ. मनोरमा शर्मा, आराधना ब्रदर्स, 154/152 सी, गोविन्द नगर, कानपुर – 208006

2.हिंदी आत्मकथा : स्वरूप एवं साहित्य – कमलेश सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, २/३५ अंसारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली – 110002

3.

4.स्वातंत्र्योत्तर हिंदी व्यंग्य निबंध एवं निबंधकार - डॉ. बापूराव देसाई , चिंतन प्रकाशन , 787 /4 , पशुपति नगर . नौबस्ता, कानपुर – 208021

5.हिंदी निबंधकार - डॉ. जयनाथ नलीन , आत्माराम एंड सन्स , काश्मीरी गेट , दिल्ली -17 स्वातंत्र्योत्तर हिंदी व्यंग्य का मूल्यांकन - डॉ. सुरेश माहेश्वरी , विकास प्रकाशन , 127 / 145 , W-1 , साकेत नगर , कानपुर – 208014

6. हिंदी का स्वातंत्र्योत्तर हास्य और व्यंग्य - डॉ. बालेन्दुशेखर तिवारी , अन्नपूर्णा प्रकाशन , 106/154 , गांधी नगर , कानपुर – 208012

7. हिंदी के व्यंग्य निबंध - डॉ. आनंद प्रकाश गौतम , गिरनार प्रकाशन , पिलाजी गंज , मेहसाना -384001 (उत्तर गुजरात)
8. हिंदी व्यंग्य एवं व्यंग्यकार - डॉ. बापूराव देसाई , विनय प्रकाशन , 70 , पशुपति नगर , नौबस्ता , कानपुर – 21
8. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य में व्यंग्य - डॉ. हरिशंकर दुबे , राधाकृष्ण प्रकाशन , 7/23 , अंसारी रोड , दरियागंज , नई दिल्ली – 110002
9. हिंदी व्यंग्य : बदलते प्रतिमान - डॉ. तेजपाल चौधरी , पंचशील प्रकाशन , फिल्म कॉलोनी ,चौडा रास्ता , जयपुर – 302003
10. हिंदी व्यंग्य साहित्य और हरिशंकर परसाई - मदालसा , भारतीय ग्रंथ निकेतन , 2713 , कूचा चेलान , दरियागंज , नई दिल्ली – 110002
11. हरिशंकर परसाई और उनका साहित्य - डॉ. अर्चना सिंह , हिंदी बुक सेंटर , 4 / 5 बी. , आसफ अली रोड, नई दिल्ली – 110002
12. सगोत्री विधाओं का 'अकेला मेला' डॉ. केशव प्रथमवीर संपादक- चेतना राजपूत,पराग बुक्स,गाजियाबाद .

OEC

Course Title **पाठ्यक्रम शीर्षक**	**भारतीय लोक-कथाएँ**
Course Credits **पाठ्यक्रम श्रेयांक**	**4**
Course Outcomes **पाठ्यक्रम परिणाम**	After going through the course, learners will be able to पाठ्यक्रम सीखने के उपरांत छात्राएं सक्षम होंगी ।
	1.छात्राएं भारत की लोक-कथा परम्परा से परिचित होंगी.
	2.छात्राएं लोककथाओं में निहित मानवीय मूल्यों एवं सरोकारों से अवगत होंगी.
	3.छात्राएं भारत की लोक-संस्कृति से परिचित होंगी.
	4.छात्राएं कथा-कथन और श्रवण की मौलिक परम्परा से समृध्द होंगी.
	निर्धारित पाठ्यपुस्तक : भारत की लोक कथाएं- पेंगविन प्रकाशन, दिल्ली, 2017 – बचपन सोसायटी फॉर चिल्ड्रेंस लिटरेचर एंड कल्चर द्वारा तैयार की गई.
Module 1 (Credit 1)	**भारत की प्रांतीय लोककथाएं-1**
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएं सक्षम हुईं.
	1. छात्राएं भारत की लोक-कथा परम्परा एवं लोक-संस्कृति से परिचित हुईं.
	2. छात्राएं कथा-कथन और श्रवण की मौलिक परम्परा एवं उनमें अभिव्यक्त मानवीय सरोकारों से अवगत हुईं.
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	● दुर्भावना का फल – उत्तराखंड - कुसुमलता सिंह ● बुद्धिमान जुलाहा – उत्तर प्रदेश - सुरेखा पाणंदीकर ● एक दिन देख लूँगा- राजस्थान- शशि जैन ● बड़ों का सत्कार – तमिलनाडु- कुसुमलता सिंह
Module 2 (Credit 1)	**भारत की प्रांतीय लोककथाएं-2**
	After learning the module, learners will be able to

Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएं सक्षम हुईं.
	1.छात्राएं विविध मानवीय भावों-अनुभावों से परिचित हुईं.
	2.छात्राएं भारतीय लोक-संस्कृति के विविध पक्षों एवं उनके महत्त्व से अवगत हुईं.
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	● हंसने रोने का रहस्य – गुजरात - उषा सिंह ● जब हँसे तो मोती – गोवा - सुरेखा पाणंदीकर ● हंसने वाली मछली- कश्मीर - गिरिजारानी अस्थाना ● धर्म की खोज – महाराष्ट्र- माधुरी टिल्लू
Module 3 (Credit 1)	**भारत की प्रांतीय लोककथाएं-3**
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएं सक्षम हुईं
	1.छात्राएं लोककथाओं में अभिव्यक्त लौकिक-अलौकिक घटनाओं के माध्यम से लोकमान्यता एवं लोक-परंपरा से अवगत हुईं.
	2.छात्राएं लोककथाओं में अभिव्यक्त संदेशों से परिचित हुईं.
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	● अक्का और राक्षस राजा (कर्नाटक) - कुसुमलता सिंह ● चालाक चंदू (केरल) - पौलोमी मिश्रा जिंदल ● भूत की मुसीबत (बंगाल) - सरोजिनी ● ज़िंदा भूत (आंध्र प्रदेश)- गिरिजारानी अस्थाना
Module 4 (Credit 1)	**भारत की प्रांतीय लोककथाएं-4**
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएं सक्षम हुईं
	1.छात्राएं मनुष्य और प्रकृति के अन्तःसंबंधों से परिचित हुईं.
	2.छात्राएं मानव-जीवन में प्रकृति के महत्व से अवगत हुईं.
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	● स्वप्न तरु (बिहार)- उषा सिंह ● कौन है पति (अरुणाचल प्रदेश)- सुरेखा पाणंदीकर ● बारिश हुई मोर बना (असम) - सुरेखा पाणंदीकर ● नागुराई और नखलिपि (त्रिपुरा)- गिरिजारानी अस्थाना

Assignments / Activities towards Comprehensive Continuous Evaluation (CCE)

निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार : विश्वविद्यालय हिंदी विभाग अथवा महाविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा सुनिश्चित टेस्ट, ट्युटोरियल या मौखिकी/ प्रोजेक्ट/ सेमिनार/ सिनेमा/नाटक या पुस्तक परीक्षण/ शैक्षिक भ्रमण का प्रतिवेदन/ भेट वार्ता/ ग्रंथालय, हिंदी संस्थान से भेट/ साक्षत्कार : लेखक, कवि, आलोचक, कलाकार आदि/ विधा विशेष या लेखक विशेष का विस्तृत परिचय/ बैंक, पोस्ट ऑफिस, रेल्वे स्टेशन कार्यालय, आकाशवाणी आदि सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज के जायजे का प्रतिवेदन/ अंग्रेजी या प्रादेशिक भाषा से किसी कहानी, या लघु कथाओं का हिंदी में अनुवाद (लगभग 15 से बीस पृष्ठ में अनुवाद) अंतर्वस्तु के अनुरूप संबध्द अध्यापक के निर्देशानुसार न्यूनतम 15 से 20 घंटे प्रशिक्षण वृत्ति (Internship/ Apprenticeship/ on Job Traning/ Project) आदि.

संदर्भ ग्रंथ –

1. भारत की लोक कथाएं- ए. के. रामानुजन– नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली, 2011
2. भारत की लोक कथाएं- पृथ्वीशर गायेन- चिल्ड्रेंस बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली, 2000
3. 21 श्रेष्ठ लोक कथाएं- आचार्य संजीव वर्मा सलिल, डायमंड बुक्स, 2022
4. पिरथवी भारी है- (बुन्देली लोक कथाओं का पुनर्लेखन)- रमेश दत्त दुबे- नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली, 1995
5. विश्वप्रसिद्ध लोककथाएं- धरमपाल बारिया- मनोज पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 1999
6. अरुणाचल प्रदेश: प्रतिनिधि निशी लोककथाएं- जोरां आनिया ताना, उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान, लखनऊ, 2019
7. कर्नाटक की लोक कथाएं एवं प्रश्नोत्तरी- रचना भोला यामिनी- डायमंड पॉकेट बुक्स, नई दिल्ली, 2004
8. बिहार की लोककथाएं- राम कृष्ण शर्मा- कैटर पिल्लर पब्लिशर्स, दिल्ली, 2009
9. भारत के आदिवासी क्षेत्रों की लोककथाएं- शरद सिंह- – नेशनल बुक ट्रस्ट, नई दिल्ली, 2009
10. मध्य प्रदेश की लोक कथाएं- वसंत निरगुणे, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
11. लोक साहित्य का अध्ययन – डॉ. सत्येन्द्र
12. लोक साहित्य की भूमिका – कृष्ण देव उपाध्याय
13. मध्ययुगीन हिन्दी साहित्य का लोकतात्विक अध्ययन – डॉ. सत्येन्द्र
14. लोक साहित्य के स्वरूप का सैद्धान्तिक विवेचन – डॉ. नारायण चौधरी, अमन प्रकाशन, 104 ए/118, राम बाग, कानपुर – 208012
15. लोक साहित्य में समाज और संस्कृति - मोतीराज राठौर, सरस्वती प्रकाशन,128/106, जी. ब्लाक, किदवई नगर, कानपुर – 11
16. भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा - दुर्गा भागवत, (अनुवादक – डॉ. स्वर्णकांता 'स्वर्णिम'), भूमिका प्रकाशन, 2/38, अंसारी मार्ग, दरियागंज, नयी दिल्ली – 21
17. लोक - साहित्य की भूमिका – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय, साहित्य भवन (प्रा.)लिमिटेड, इलाहाबाद – 3
18. हिंदी उपन्यास और जनजातीय जीवन – शिवदत्ता वावलकर, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
19. लोक साहित्य के प्रतिमान – डॉ. कुन्दनलाल उप्रेती, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़

20. लोक साहित्य की सांस्कृतिक परंपरा – डॉ. मनोहर शर्मा, रोशनलाल जैन एण्ड सन्स, चैनसुखदास मार्ग, जयपुर – 21
21. हिंदी लोक साहित्य - गणेशदत्त सारस्वत, विद्या विहार, 87/40 ए,आचार्य नगर, कानपुर – 6
22. लोक साहित्य विज्ञान – डॉ. सत्येन्द्र, हिंदी साहित्य मन्दिर,160,शिक्षक कॉलोनी, दुर्गा मन्दिर रोड, चौपासनी, जोधपुर (राजस्थान)
23. भारतीय लोक - साहित्य - श्याम परमार,राजकमल प्रकाशन प्रा.लि., 1 बी, नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली – 110002
24. लोक साहित्य : अर्थ और व्याप्ति - सुरेश गौतम, अमन प्रकाशन, 104 ए/118, राम बाग, कानपुर – 12
25. लोक साहित्य - सुरेश गौतम, अमन प्रकाशन, 104 ए/118, राम बाग, कानपुर-208012
26. लोक साहित्य - शशीकांत सोनवने, अमन प्रकाशन, 104 ए/118, राम बाग, कानपुर-208012
27. लोक साहित्य विविध आयाम एवं नयी दृष्टि – डॉ. जयश्री गावित, अमन प्रकाशन, 104 ए/118, राम बाग, कानपुर – 208012

SEC

Course Title **पाठ्यक्रम शीर्षक**	साक्षात्कार-कौशल
Course Credits **पाठ्यक्रम श्रेयांक**	**2**
Course Outcomes **पाठ्यक्रम परिणाम**	After going through the course, learners will be able to पाठ्यक्रम सीखने के उपरांत छात्राएं सक्षम होंगी ।
	1.छात्राएं साक्षात्कार-कौशल प्राप्त करेंगी.
	2.छात्राएं रोजगार प्राप्त करने में सक्षम होंगी.
	3.छात्राएं आत्मविश्वास की वृध्दि से रोजगाराभिमुख होंगी.
Module 1 (Credit 1)	**साक्षात्कार**
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएं सक्षम हुईं.
	1. छात्राएं साक्षात्कार की प्रक्रिया, प्रकार और स्वरूप से परिचित हुईं.
	2. छात्राएं साक्षात्कार-कौशल की सैध्दांतिकी से परिचित हुईं.
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	• साक्षात्कार: अर्थ, परिभाषा और स्वरूप • साक्षात्कार की प्रविधि एवं प्रकार • साक्षात्कार: महत्व एवं सीमाएँ • साक्षात्कार कर्ता के गुण
Module 2 (Credit 1)	**साक्षात्कार प्रक्रिया एवं प्रत्याक्षिक**
Learning Outcomes पाठ्यक्रम- अध्ययन के परिणाम	After learning the module, learners will be able to इस इकाई के अध्ययन के उपरांत छात्राएं सक्षम हुईं.
	1.छात्राएं प्रत्यक्ष साक्षात्कार लेने हेतु प्रश्नावली निर्माण और तैयारी की समझ पैदा होंगी.

	2.छात्राएं प्रत्यक्ष क्षेत्र में जाकर किसी व्यक्ति विशेष का साक्षात्कार लेकर अनुभव संपन्न होंगी.
Content Outline **सामग्री की रूपरेखा**	• साक्षात्कार की पूर्व तैयारी • प्रश्नावली का निर्माण • व्यक्ति आधारित साक्षात्कार (किन्ही दों का) • विषय आधारित साक्षात्कार (किन्ही दों विषयों पर)

Assignments / Activities towards Comprehensive Continuous Evaluation (CCE)

निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार : विश्वविद्यालय हिंदी विभाग अथवा महाविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा सुनिश्चित टेस्ट, ट्युटोरियल या मौखिकी/ प्रोजेक्ट/ सेमिनार/ सिनेमा/नाटक या पुस्तक परीक्षण/ शैक्षिक भ्रमण का प्रतिवेदन/ भेट वार्ता/ ग्रंथालय, हिंदी संस्थान से भेट/ साक्षत्कार : लेखक, कवि, आलोचक, कलाकार आदि/ विधा विशेष या लेखक विशेष का विस्तृत परिचय/ बैंक, पोस्ट ऑफिस, रेल्वे स्टेशन कार्यालय, आकाशवाणी आदि सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कामकाज के जायजे का प्रतिवेदन/ अंग्रेजी या प्रादेशिक भाषा से किसी कहानी, या लघु कथाओं का हिंदी में अनुवाद (लगभग 15 से बीस पृष्ठ में अनुवाद) अंतर्वस्तु के अनुरूप संबध्द अध्यापक के निर्देशानुसार न्यूनतम 15 से 20 घंटे प्रशिक्षण वृत्ति (Internship/ Apprenticeship/ on Job Traning/ Project) आदि.

संदर्भ ग्रंथ –

1. साक्षात्कार दर्पण- जैन एवं कुलश्रेष्ठ, उपकार प्रकाशन
2. साक्षात्कार, संवाद और वार्ताएं लेखक राजेन्द्र यादव
3. साक्षात्कार कैसे हों तैयार लेखक शहरोज, राजकमल प्रकाशन प्रा.ली.
4. साक्षात्कार मार्गदर्शिका - आनंद कुमार पांडेय/श्रीमती अर्चना पांडये लेखक मनोज कुमार प्रकाशक – मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी भोपाल